नानुक
हिम भालू



लेखन व चित्रः जैनेट विन्टर, भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



ऊपर, और ऊपर
ठेठ दुनिया के शीर्ष पर,
आर्कटिक में रहती है नानुक,
एक आलीशान हिम भालू

नानुक
हिम भालू

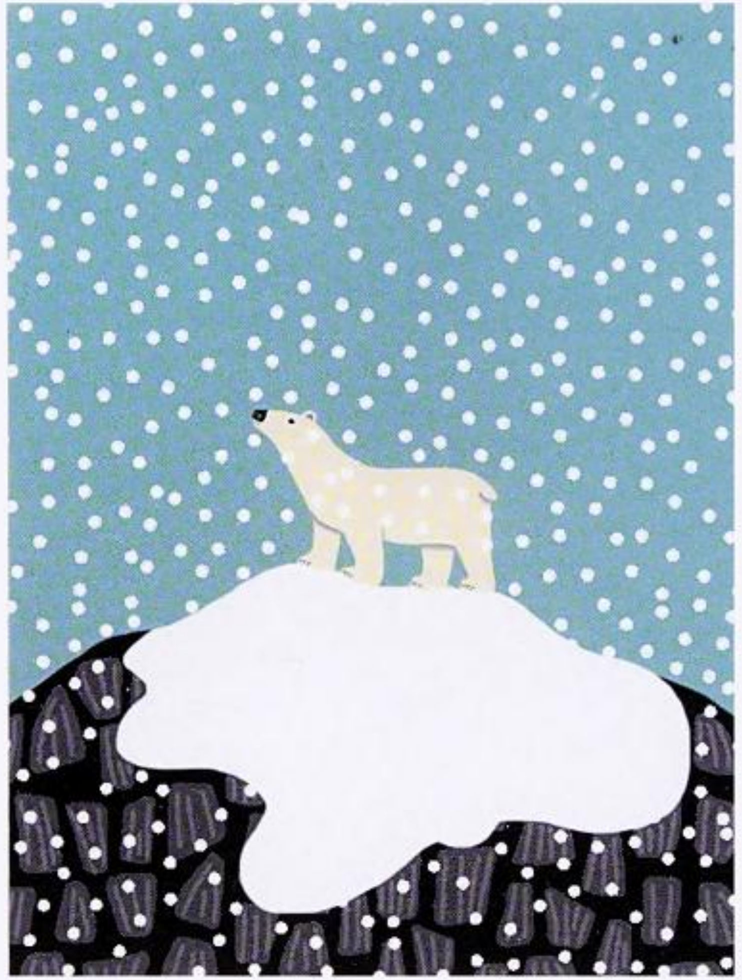


लेखन व चित्रः जैनेट विन्टर
भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



दुनिया के ठेठ ऊपर

जहाँ बर्फ गिरती है......



और, और गिरती है।



जहाँ बर्फ की सतहें जम कर हिमनद बनाती हैं
जो नंगे पहाड़ों को ढक देती हैं।



यह हिमनद धीमे-धीमे सरक कर नीचे समुद्र से आ मिलता है।



इससे समुद्र की सतह भी जम जाती है।



नानुक बर्फ की

इस शान्त, धवल दुनिया में जीती है।



वह अपना भोजन बर्फ के समुद्र में,

और बर्फीले ठंडे पानी में तलाशती है।



हिमनद के बड़े-बड़े खंड टूटते हैं
और ये हिम खंड समुद्र में बह आते हैं।



नानुक भूखी है।



उसे दूर सामने सील मछलियाँ नज़र आती हैं।



वह तैर कर उनके पास जाती है और देखती है,



पर सील फिसल कर पानी में कूद
बच भागती हैं।



नानुक को एक दूसरा हिम भालू दिख आता है।



वह तैर कर उसके पास पहुँचती है।



वह ऊपर चढ़ उसके बसेरे तक पहुँचती है।



और दोनों भालू प्रेमालाप करते नाचते हैं।



बाद में वे बर्फीले समुद्र में तैरते हैं।



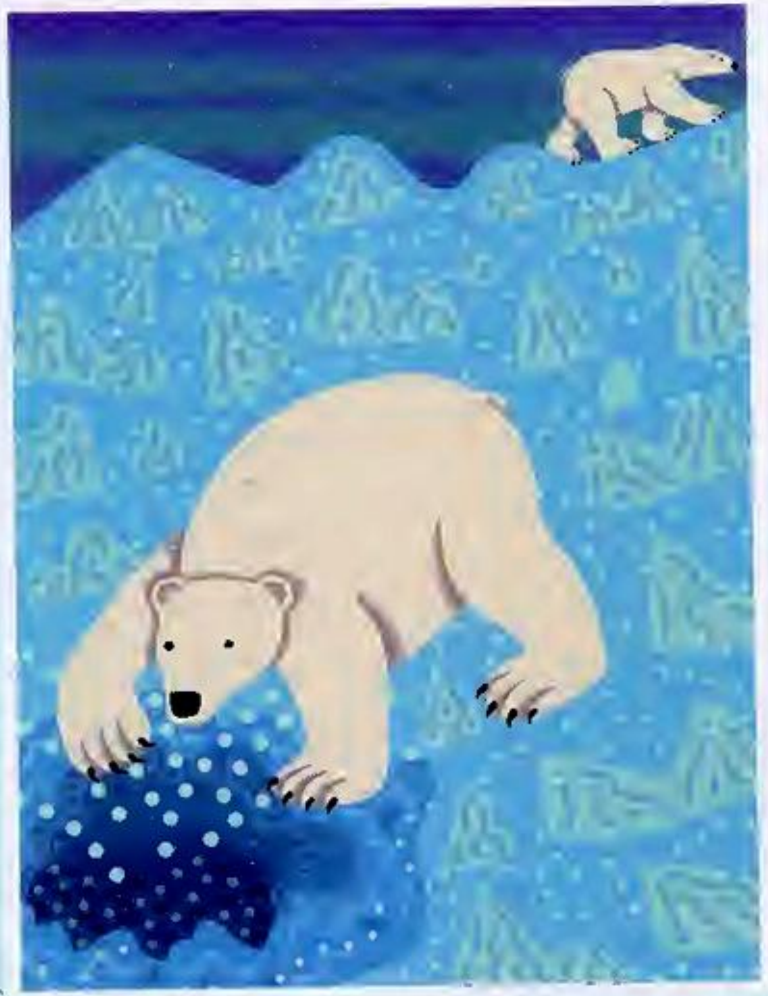
दोनों साथ-साथ शिकार करने उन सुराखों तक जाते हैं
जो सील मछलियों ने साँस लेने के लिए बर्फ में बनाए हैं।



अब दिन छोटे होने लगते हैं।



दोनों भालू बर्फ मे सोते हैं
उनकी रोंएदार खाल और दोनों के जिस्म उन्हें गर्म रखते हैं।



जब लम्बी सर्दियाँ शुरु होती हैं
नानुक बर्फ को खोद अपने लिए
सर्दियों की मांद बनाती है।



वह बहुत गहरे नीचे उतरती है।



ज़मीन की सतह से बहुत नीचे अपनी मांद में
वह अपने नन्हे छौनों के पैदा होने का इन्ज़ार करती है।



वहाँ ऊपर अंधेरे में ही
हिम भालू और हिम लोमड़ियाँ
भोजन तलाशते हैं।



और नीचे
नानुक अपने नन्हें छौनों का इस दुनिया में स्वागत करती है।



वह अपने दोनों छौनों को दूध पिलाती है।



वह आर्कटिक की सर्दियों के दौरान

अपने दोनों छौनों को बड़ा होते देखती है।



जब सूरज की रोशनी लौटती है
उसके छौने दुनिया के लिए तैयार होते हैं।



नानुक उन्हें प्रकाश में लाती है।



ताकि वे बर्फ, हिम और सूरज के प्रकाश को जान लें।



वह अपने छौनों को शिकार करना सिखाती है,



और तैरना।



और मछली पकडना भी।



दो गर्मियाँ गुज़रने के बाद वे
अपने-आप ज़िन्दगी गुज़ारने को तैयार हो जाते हैं।



नानुक उन्हें जाते देखती है।



वह अपने एकांतवास में लौटती है।



पर उसकी शान्त धवल दुनिया अब बदल रही है।



बर्फ पिघल रही है

और समुद्र का स्तर उठ रहा है।



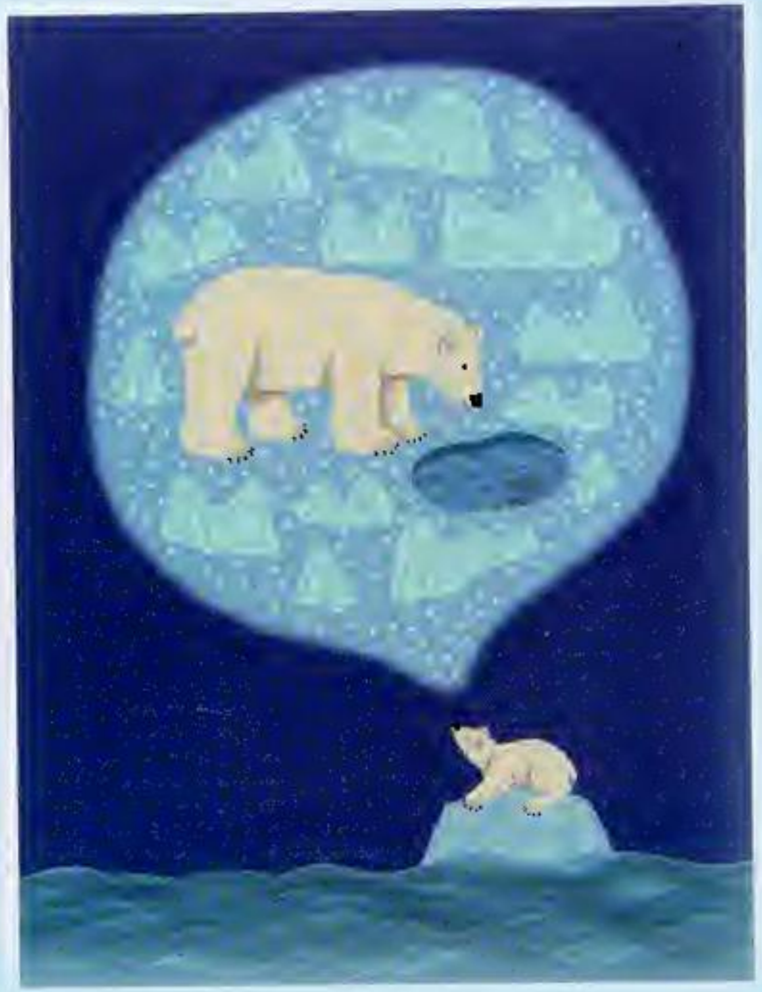
जल्द ही शिकार करने की जगह ही नहीं बचेगी।



नानुक सोती है
और सपना देखती है कि बर्फ गिर रही है
और गिरती जा रही है।



वह बर्फ जम जाती है
और हिमनद बन समुद्र में फिसल जाती है।



ताकि वह फिर से शिकार कर सके।



और अपने नए छौनों को बड़ा कर सके।

दुनिया के ठेठ ऊपर।



- रॉजर के लिए



जैनेट विन्टर एक ख्यातिनाम सचित्र जीवनी लेखिका हैं। उनकी रचनाओं में *मलालाः अ ब्रेव गर्ल फ्रॉम पाकिस्तान; इक़बालः अ ब्रेव बॉय फ्रॉम पाकिस्तान; टू शॉर्ट स्टोरीस् ऑफ ब्रेवरी; हैनरीस् सिज़र्स; बिबलिओबरीः अ ट्रू स्टोरी फ्रॉम कोलम्बिया; द लाइब्रेरियन ऑफ बसरा; अ ट्रू स्टोरी फ्रॉम इराक़;* तथा *नसरीन्स सीक्रेट स्कूलः अ ट्रू स्टोरी फ्रॉम अफगानिस्तान,* शामिल हैं।

